Publication: Navbharat Times - Hindi

Headline: Sone –chandi me giravat se bazar me laute niveshak

Edition: Pan India

Date: 28th September 2011

Coverage –

सोने-चांदी में गिरावट से बाजार में लौटे निवेशक

त्योहारी सीजन की शुरुआत और कीमतों में गिरावट ने ज्वैलर्स और निवेशकों को सोना जमा करने का अच्छा मौका दिया

राम सहगल || मुंबई

बीते चार-पांच दिन में सोने की कीमत में आई गिरावट के चलते ज्वैलर्स और निवेशकों ने खरीदारी तेज कर दी है। एक प्रमुख सर्राफा डीलर और कोलकाता के रीटेल ज्वैलर ने यह जानकारी दी। हालांकि, एक सरकारी बैंक की गोल्ड ब्रांच के अफसर ने बताया कि खरीदारी में उछाल जरूर आया है, लेकिन कई ज्वैलर और स्टॉकिस्ट सोने की कीमत में और गिरावट आने की उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं।

ऋधि सिद्धि बुलियंस के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट करण वासा ने कहा, 'कीमत में गिरावट के चलते ज्वैलर्स और निवेशकों ने खरीदारी बढ़ा दी है। उन्हें सोना इकट्ठा करने का यह अच्छा मौका दिख रहा है।' सोमवार दोपहर मुंबई में हाजिर बाजार में सोना 26,310 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर पर था, जो बुधवार की रिकॉर्ड ऊंचाई 28,492 रुपए प्रति दस ग्राम से करीब 7.6 फीसदी नीचे था।

कोलकाता के ज्वैलरी रीटेलर और ट्रेड बॉडी ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी फेडरेशन (जीजेएफ) के चेयरमैन बछराज बमलवा के मुताबिक कीमतों में आई गिरावट ने मुंबई, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहरों में मांग बढ़ा दी है। कीमतों में गिरावट ऐसे वक्त आई है, जब पितृ पक्ष का अंत भी हुआ है। पितृ पक्ष के दौरान तमाम हिंदू नई खरीदारी को उचित नहीं मानते हैं। इसके अलावा, बुधवार से नवरात्रि का त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है, जब सामान्य तौर पर खरीदारी रफ्तार पकड़ती है।

खरीदारों को और गिरावट की उम्मीद

- **सोमवार दोपहर** मुंबई में हाजिर बाजार में सोना 26,310 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर पर था, जो बुधवार की रिकॉर्ड ऊंचाई 28,492 रुपए प्रति दस ग्राम से करीब 7.6 फीसदी नीचे था
- **दाम** में गिरावट ने मुंबई, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहरों में मांग बढ़ा दी है, नवरात्रि का त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है, जब सामान्य तौर पर खरीदारी रफ्तार पकड़ती है
- **चांदी** ने सोने की तुलना में कहीं तेज गिरावट दर्ज की है। कई ज्वैलर और स्टॉकिस्ट सोने की कीमत में और गिरावट आने की उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं

कमोडिटी रिसर्च कंपनी कॉमट्रेंड्ज के डायरेक्टर ज्ञानशेखर त्यागराजन का कहना है कि यह गिरावट नायमेक्स के डिवीजन कॉमेक्स की ओर से गोल्ड फ्यूचर में ट्रेडिंग के लिए मार्जिन बढ़ाने की वजह से आई है। लंदन के अलावा दूसरी कीमतों के लिए नायमेक्स बेंचमार्क का काम करता है। इससे खरीदारों के लिए उपलब्ध लीवरेज घट गया। हालांकि, त्यागराजन का कहना है कि सोने के लिए 1,575 डॉलर प्रति औंस पर मजबूत सपोर्ट है।

हालांकि, एक सरकारी बैंक की बुलियन ब्रांच के एक अधिकारी ने कहा कि बैंक ग्राहकों की आम मानसिकता का गवाह बन रहा है, जिसके तहत वे कीमत में और गिरावट की उम्मीद में खरीदारी के फैसले टाल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आम तौर पर जब दाम गिरते हैं, तो खरीदार थमे रहने का फैसला करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि कीमतों में आगे और गिरावट आएगी। यह उस स्थिति का उलट है, जब जब कीमत बढ़ती रहती है। उन हालात में हर कोई खरीदारी जारी रखना चाहता है, क्योंकि उम्मीद होती है कि दाम आगे और बढ़ेंगे। हमने मौजूदा गिरावट के दौरान ज्वैलर्स और डीलरों की ओर से मांग में भारी बढ़ोतरी नहीं देखी है, क्योंकि उन्हें कीमतों में और गिरावट आने की उम्मीद है।' बैंक कंसाइनमेंट के आधार पर सोने का आयात करते हैं और सप्लायर के प्रीमियम पर कमीशन चार्ज करते हैं, जो हर लेंडर के हिसाब से अलग हो सकता है और गोल्ड रेट के अलावा इसमें कॉस्ट ऑफ कैरिज एवं इंश्योरेंस शामिल होता है।

वासा ने कहा कि बाजारों में चांदी की 'घबराहट में होने वाली बिकवाली' नजर आ रही है, क्योंकि डीलरों और स्टॉकिस्टों ने और नुकसान से बचने के लिए ऑफलोड करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों ने कुछ महीने पहले इसका दाम 75,000 रुपए से घटकर 50,000 रुपए पर आते देखा था और यह एकबार फिर बढ़कर 64,000 रुपए तक पहुंचा। ऐसे में वे इन उम्मीदों पर बाजारों में दाखिल हुए थे कि संभावित बढ़ोतरी के बूते मुनाफा बनाया जाएगा। चांदी ने सोने की तुलना में कहीं तेज गिरावट दर्ज की है।